



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

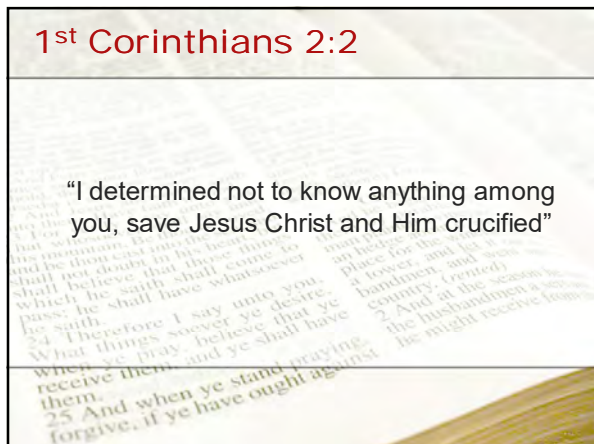
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---

### Galatians 6:14

“But God forbid that I should glory, save in the cross of our Lord Jesus Christ, by whom the world is crucified unto, me and I unto the world”

---

---

---

---

---

---

---

---

### Romans 5:2

“By whom also we have access by faith into this grace wherein we stand, and **rejoice** in the hope of the glory of God”

---

---

---

---

---

---

---

---

### Romans 5:3

“And not only so, but we **glory** in tribulations also...”

---

---

---

---

---

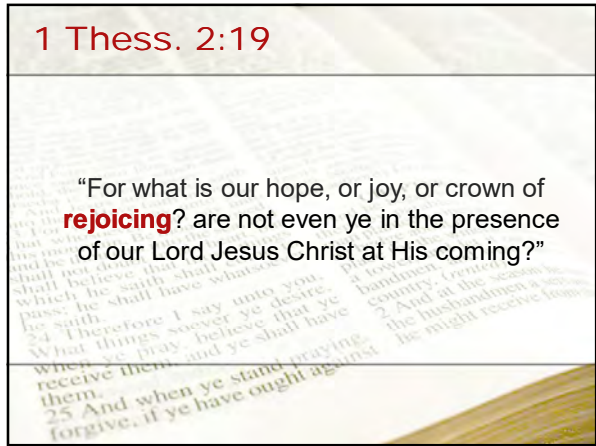
---

---

---

1 Thess. 2:19

“For what is our hope, or joy, or crown of **rejoicing**? are not even ye in the presence of our Lord Jesus Christ at His coming?”



---

---

---

---

---

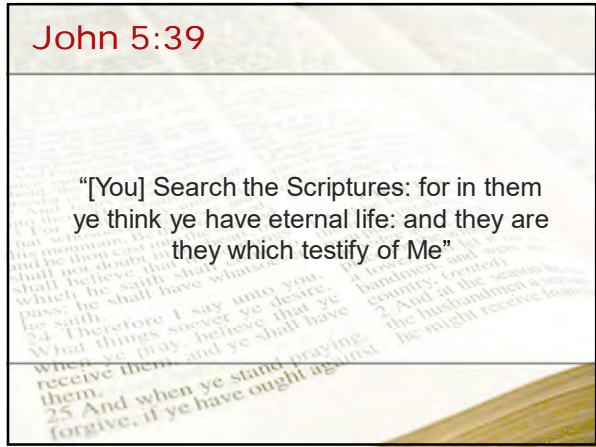
---

---

---

John 5:39

“[You] Search the Scriptures: for in them ye think ye have eternal life: and they are they which testify of Me”



---

---

---

---

---

---

---

---

Christ Centered Exposition

Every text of Scripture:

- 1) FCF – Fallen Condition Focus
- 2) Redemptive Feature



---

---

---

---

---

---

---

---

Gen. 17:8

“And I will give unto thee, and to thy seed after thee, the land wherein thou art a stranger, all the land of Canaan, for an everlasting possession; and I will be their God.”

---

---

---

---

---

---

---

---

Isaiah 47:11

“ Therefore shall evil come upon thee; thou shalt not know from whence it riseth: and mischief shall fall upon thee: thou shalt not be able to put it off: and desolation shall come upon thee suddenly, which thou shalt not know.”

---

---

---

---

---

---

---

---

Psalm 87:7

“ As well the singers as the players on instruments shall be there: all my springs are in thee”

---

---

---

---

---

---

---

---

Christ Centered Exposition

"I have never yet found a text that had not got a road to Christ in it, and if I ever do find one that has not a road to Christ in it, I will make one: I will go over hedge and ditch but I would get at my Master, for the sermon cannot do any good unless there is a savour of Christ in it."

**C. H. Spurgeon**



---

---

---

---

---

---

---

---